लला जसुली की धरोहर संवार के लिये यात्रा और सम्वाद

RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 27 हल्द्वानी सम्वत् 2082 सोमवार 8 दिसम्बर 2025 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

कार्यालय प्रतिनिधि

अल्मोड़ा। जसुली लला स्मृति मंच की ओर से लला जसुली की धरोहर संवार के लिये यात्रा और सम्वाद अभियान क्रम में क्षेत्र की विभिन्न धर्मशालाओं का निरीक्षण करते हुए सभी से अनुरोध किया गया कि इन प्राचीन यादों को सुरक्षित करने में सहयोगी बनें। मंच के अध्यक्ष फली सिंह दताल, गंगा सिंह पांगती, देव सिंह पंचपाल ने सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा सहित आसपास में दानवीरांगना लला जसुली बूढ़ी शौक्याणी द्वारा बनवाई गई प्राचीन धर्मशालाओं का अवलोकन करते हुए सभी से निवेदन किया है कि इन प्राचीन यादों को संरक्षित करने में मदद करें। शासन प्रशासन द्वारा किये गये प्रयासों की सराहना के अलावा आगे भी इसमें लगातार कार्यवाही का अनुरोध किया गया। अल्मोड़ा में धार की तूनी, हवालबाग ब्लाक के उडियारी ग्राम, कटारमल की जीर्ण हो चुकी धर्मशालाओं पर ठोस कार्यवाही सहित अन्य स्थानों की धर्मशालाओं पर भी चर्चा की। बेरीनाग में पूर्व सैनिक कल्याण एवं उत्थान समिति के अध्यक्ष लक्ष्मण सिंह डांगी द्वारा जसुली की धर्मशाला को अतिक्रमण होने से बचाने के योगदान को याद करते हुए बताया कि जिला प्रशासन और विधायक से आवेदन किया गया है।

उल्लेखनीय है कि दारमा घाटी की महान दानवीरांगना जसुली लला ने अपने समय में कैलास मानसरोवर यात्रा पथ पर तिब्बत तक सैकड़ों धर्मशालाएं बनवाई थीं। यात्रियों, विद्यार्थियों, साधु-सन्तों को सुविधा के लिये लम्बी दूरी के मार्ग पर इस प्रकार की धर्मशालाओं का बड़ा महत्व रहा है। यात्रा पर जाने वालों के अलावा मौसम के अनुसार हिमालय क्षेत्र से माल-भाबर आने वालों तक को इन धर्मशालाओं का सहारा हुआ करता था। समय के साथ सड़क सुविधाएं हुईं और वाहनों की भरमार हुई लेकिन इतिहास की इन यादों को कुचलने का प्रयास होता रहा। कई प्राचीन धर्मशालाओं पर अतिक्रमण कर लिया गया है। कई झाड़ियों से घिर कर दब चुकी हैं। कुछ स्थानों पर अवशेष मात्र हैं। इन्हीं सब ऐतिहासिक यादों को सुरक्षित रखने के लिये जसुली बूढ़ी शौक्याणी के बंशज, इतिहास-कला प्रेमी, पिघलता हिमालय परिवार लगातार आवाज उठा रहे हैं।

भारत के मीलपत्थर

एक असाधारण परम्परा के प्रवर्तक परीक्षित

सूर्यकान्त बाली

देश के राजनीतिक प्रताप का प्रतीक बन चुके हस्तिनापुर की शक्ति का सम्पूर्ण ह्रास महाभारत के अठारह दिनों के युद्ध में हो गया था और अगर कृष्ण की सक्रियता से अभिमन्यु के पुत्र परीक्षित की रक्षा नहीं होती तो यकीन मानिए कौरववंश का, जिसका दूसरा नाम पुरुवंश और भरतवंश भी है, बीजनाश युधिष्ठिर के साथ ही हो जाता, पर इतिहास की नदी की धारा ऐसी दुर्धर्ष है कि वह हर रुकावट को लाँघ कर कभी तीव्र आवेग से तो कभी धीमी गति से प्रवाहित होती रहती है, रुकती नहीं, थमती नहीं। उसी धारा की एक अभिव्यक्ति थे महाराज परीक्षित, जिन्हें हमारे इतिहास पुराण ग्रन्थ परीक्षित कहते हैं, पर परम्परा ने उच्चारण की सुविधा का लाभ उठाकर जिन्हें परीक्षित कहना शुरू किया तो मानो वही उनका सही नाम हो गया।

परीक्षित अभिमन्यु और उत्तरा के पुत्र थे जिनका इस देश की सभ्यता के विकास में सबसे बड़ा योगदान एक विराट ग्रन्थ के लिए पृष्ठभूमि प्रदान करना रहा है। परीक्षत, भागवत पुराण और शुकदेव तीनों एक दूसरे से जुड़े हुए अभिवाज्य जैसे नाम हो गए हैं और शुकदेव ने एक सप्ताह भर परीक्षित को भगवान पुराण क्या सुनाया, इस देश में मानो भागवत के सप्ताह पाठ पारायण की एक ऐसी परम्परा शुरू हो गई जो पिछले 5 हजार सालों से अविकल रूप से चली आ रही है और देश की पहचान का प्रमुख आधार स्तम्भ जैसी बनी हुई है।

पाण्डवों के सभी पुत्र महाभारत युद्ध में एक-एक कर मार दिए गए थे। जिस अभिमन्यु पर सभी की उम्मीदें टिकी थीं कि वह वंश और राज्य के प्रवाह को आगे बढ़ाएगा, न केवल वह स्वयं महाभारत युद्ध में अद्भुत वीरता दिखाकर मारा गया बल्कि उसकी पत्नी उत्तरा की सन्तान को उश्वत्थामा ने अठारह दिन के युद्ध के बाद अपने ब्रह्मास्त्र से गर्भ में ही नष्ट कर देने की कोशिश की। पर कृष्ण ने ब्रह्मास्त्र की मार से पीड़ित इस गर्भस्थ शिशु जिसे परि यानी चारों ओर से क्षित यानी क्षीण कर दिया गया था, पर वह फिर भी बचा लिया गया।

परीक्षित को बचा तो बचा तो लिया गया, पर वह कोई बहुत शालीन व्यक्ति के रूप में हमारे सामने नहीं आता। हस्तिनापुर के इतिहास का एक ऐसा विचित्र सत्य यह है कि उसमें भरत या युधिष्ठिर जैसे शालीन और विज्ञ सम्राट बहुत कम हुए हैं और प्राय: राजा उद्धत और अशालीन किस्म के ही रहे। परीक्षित भी कोई अपवाद नहीं था। पर चूँकि इतिहास की पोथी में उसके हाथों अचानक एक बड़ा काम हो गया, इसलिए सम्राट परीक्षित हमारी भारतगाथा के मीलपत्थरों की शोभा आज बढ़ा रहे हैं।

छत्तीस वर्ष तक राज करने के बाद युधिष्ठिर महाराज ने पत्नी द्रौपदी और चारों भाइयों के साथ जब महाप्रस्थान करने का तय किया तो परीक्षित को हस्तिनापुर के सिंहासन पर बिठाया गया। वैसे तो परीक्षित ने कुछ अश्वमेघ यज्ञ भी किए और आसपास के कुछ इलाके जीत कर अपना साम्राज्य फैलाने की औपचारिकता भी निभाई, पर उसके उद्धात स्वभाव का एक अजीबोगरीब नमूना तब मिला जब वह एक बार पानी की खोज में शमीक ऋषि के आश्रम पहुँचे। ऋषि ध्यान मग्न थे और उन्होंने राजा की पानी पीने की प्रार्थना नहीं सुनी तो अपने स्वभाव से विवश परीक्षित ने पास ही जमीन पर गिरे पड़े एक मरे हुए साँप को धनुष की नोक से उठा कर ध्यानलीन मुनि के गले में डाल दिया और चले गए। आज दो पंक्तियों में और अखबार के एक नियमित कालम में लिखी जाने के कारण घटना छोटी बेशक नजर आ रही हो, पर हमारे इतिहास-पुराणकारों ने इस घटना को इतने बड़े रूप में ग्रहण किया है कि उसे विश्व में कलिकाल के प्रवेश का प्रतीक मान लिया है।

क्षणभर के लिए थोड़ा विषय से हटें। हमारे जेहन में आ कलि शब्द बेशक हर तरह की बुराई का प्रतीक बन गया हो, पर संस्कृत भाषा में कलि शब्द का अर्थ है- एक या इकाई। चूँकि इतिहास पहले घटता है, उसका विश्लेषण या कालविभाजन हम बाद में करते हैं, इसलिए कलि-द्वापर-त्रेता-कृत(या सत) इन चार युगों का काल विभाजन भी इतिहास घट जाने के बाद ही हमारे पूर्वजों ने किया था, इतिहास शुरू होने से पहले नहीं जैसा कि हम ने अपनी अन्धकारकलीन सदियों में अपने ऊपर ओढ़ लिए अज्ञान के परिणामस्वरूप मान लिया है। कलि का अर्थ है- एक इकाई, द्वापर यानी दो इकाईयाँ, त्रेता यानी तीन इकाईयाँ और कृत यानी सम्पूर्ण (अर्थात चारों) इकाईयाँ। हमने अपने अब तक के आलेखों में इन इकाईयों को एक हजार का माना है और मनु से महाभारत काल तक भारत का ज्ञान इतिहास तीन हजार साल का माना है जिसके अन्तिम वर्षों में परीक्षित पैदा हुए। निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कलि आदि की व्यवस्था महाभारत के हजार-बारह सौ साल बाद की गई होगी और इस तरह पूरे चार हजार वर्ष के बीत चुके इतिहास को

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

ये कैसा बांध निर्माण कार्य है जिसपर बैठकों का दौर थमता नहीं

इस बार जमरानी बांध को लेकर फिर से बैठक हुई और सांसद अजय भट्ट ने परियोजना से जुड़े अफसरों को तय समयसीमा के भीतर निर्माण कार्य पूरा करने के निर्देश दिए हें। उन्होंने स्पष्ट किया है कि परियोजना में किसी भी प्रकार की अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जाएगी। यदि परियोजना प्रगति समय से पीछे पाई जाती है तो सम्बन्धित कम्पनी पर नियमों के अनुसार पेनाल्टी लगाई जाएगी। इसके अलावा भाजपा के मीडिया प्रमुख सुरेश जोशी ने दावा किया है कि 2027 तक जमरानी बांध परियोजना शुरू हो जाएगी।

परियोजना के महाप्रन्धक महेश कुमार खरे बताते हैं कि डायवर्जन का कार्य प्रगति पर है। गौलानदी में 26 घन मीटर व 09 मीटर ऊंचे कॉफर डैम का कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया है। डायवर्जन का कार्य जून 2026 तक पूर्ण कर लिया जाएगा व आगामी मानसून में नदी का सम्पूर्ण बहाव डायवर्जन टनक के माध्यम से निकाला जा सकेगा। मुख्य बांध निर्माण का कार्य त्वरित गति से किया जा रहा है।

हल्द्वानी के काठगोदाम क्षेत्र में जमरानी बांध परियोजना मुख्यमंत्री वीर बहादुर सिंह, के.सी.पन्त, नारायणदत्त तिवारी से लेकर आज तक न जाने कितने आयोजन, निरीक्षण, बैठक, प्रेसवार्ताएं हो चुकी हैं लेकिन यह महत्वपूर्ण परियोजना अभी गर्भ में है। भाबर सहित बरेली, रामपुर, उधमसिंह नगर व नैनीताल को जल आपूर्ति की दिशा में यह बड़ी कार्य है और इसके बनने तक परीक्षण-निरीक्षण जरूरी है परन्तु देखने में आ रहा है कि जब-जब जो सत्ता में होता है वह इस बहाने रमा हो जाता है। सब जानते हैं कि यह महत्वपूर्ण परियोजना है और इसके नाम पर अब तक अथाह खर्च हो चुका है। इतना होने पर ऐसी बैठकों का दौर थमना चाहिये जो सिर्फ अधिकारियों की भीड़ करके मीडिया के सम्मुख जमावड़े का प्रदर्शन मात्र है। इस परियोजना में क्या कुछ होना है उस पर त्वरित कार्यवाही होती रहे और इसके सुखद परिणाम सबको मिलें।

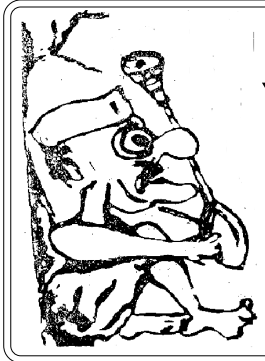

फसक

दाज्यू, खूब लड़बड़्योव हो रही ठैरी

समाज में लट्ठपेल ही सदाबहार बन रहे हैं बल

दाज्यू, चम्पावत में अग्निवीर जवान के अन्त्येष्टि से पहले विधायक और दरोगा के बीच तू-तड़ाक की आज तक चर्चा हो रही है। दुखभरे माहौल में विधायक और दरोगा के बीच हुए विवाद में दरोगा का कहना है- 'नमस्ते नहीं कहने पर विधायक भड़क गये।' और विधायक का कहना है- 'मित्र पुलिस को जन प्रतिनिधि के साथ्त सम्मान से बात करनी चाहिये।' दाज्यू, क्या ही कहा और किया जाए? खूब लड़बड़्योव हो रही ठैरी। हर दो किमी की दूरी पर कोई न कोई विवाद चल ही रहा है।

दाज्यू, चौखुटिया में ऑपरेशन स्वास्थ्य के अगुवा आन्दोलनकारी भुवन कठायत ने चारों ओर चिंगारी ही लगा दी है। स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर प्रदर्शनकारी भुवन के गायब होने पर गुमशुदा के पोस्टर जारी हो गये थे। फिर पुलिस ने तड़ागताल से उन्हें हिरासत में लिया। दाज्यू, आन्दोलन भी तो बड़ा यज्ञ ही ठैरा। किसने कितनी आहूती दी सब दर्ज हो रहा है। लेकिन समाज में लट्ठपेल ही सदाबहार बन रहे हैं बल। काशीपुर के कुण्डेश्वरी चौकी क्षेत्र में चुनावी रंजिश अभी तक जारी है। दो पक्षों के 33 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की गई है। रुद्रपुर में बहनोई पर भूमि हड़पने का आरोप लगाते हुए डीएम कार्यालय पर प्रदर्शन देखने को मिला। भदईपुरा के रहने वाले सन्तोष कुमार ने अपनी आपबीती सुनाते हुए पीड़ित परिवार के साथ डीएम कार्यालय से जांच की मांग की है। दाज्यू, घोर कलजुग चल रहा है। कौन किसकी लटीपटी ले जाएगा पता नहीं। भिक्कू बता रहा है- 'पतंजलि घी का नमूना जांच में फेल हो गया।' लगा धन्धा ठैरा क्या जो होने वाला है इससे? दाज्यू, वन विकास निगम कर्मचारी संघ ने भी निगम प्रबन्धन पर कर्मचारियों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए बड़ा आन्दोलन चलाने की बात कह डाली है। 16 दिसम्बर को अरण्य विकास भवन देहरादून में धरना प्रदर्शन होने वाला है बल। संघ का कहना है कि लगातार अनुरोध के बाद भी कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। हरिद्वार कोतवाली क्षेत्र श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के संरक्षक श्रीमहन्त हरि गिरि महाराज को फोन पर अलग-अलग नम्बरों से कॉल कर जान से मारने की धमकी की भी जांच चल रही है।

सीएम सैप कह रहे हैं कि अगले एक साल में 12 हजार पदों पर भर्ती होगी। मगन सिंह और बांकेलाल हाईस्कूल इण्टर प्रमाण पत्रों की छायाप्रति कई बार करवा चुके हैं। इस बार उन्हें भी लग रहा है कि कुछ तो होने वाला है। उपनल कर्मी पानू भी खुश है। कह रहा है- 'अब धुंआ निकालने का समय है।' सबकी जैजैकार।-तुम्हारा भुली झकरुवा

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

भारत-पाक विश्वकप हेतु एक ग्रुप में

मुम्बई। चिर-प्रतिद्वन्दी भारत और पाकिस्तान को 2026 पुरुषटी-20 विश्वकप के लिए ग्रुप ए में रखा गया है। दोनों टीमें 15 फरवरी को कोलम्बो के आर प्रेमदास स्टेटियम में आमने-सामने होंगी। समझौते के अनुसार भारत-पाक अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेंगे।

40अरब डॉलर के हथियार लेगा ताइवान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री वेलिंगटन कू ने कहा कि उनकी सरकार हथियारों की खरीद के लिए 40 अरब अमेरिकी डॉलर का विशेष बजट पेश करेगी। यह निर्णय ताइवान पर अपने रक्षा खर्च में बढ़ोत्तरी करने के लिए अमेरिका के दबाव के बीच लिया जा रहा है।

बोल्सोनारो को 27 साल की सजा शुरू

ब्रासीलिया। ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोल्सोनारो ने 27 साल की जेल की सजा काटना शुरू कर दिया। बोल्सोनारो को 2022 का राष्ट्रपति चुनाव हारने के बाद सत्ता में बने रहने के लिए तख्तापलट की साजिश का दोषी पाया गया था। इस मामले पर सुनवाई कर रहे उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश एलेक्जांद्रे दे मोरेस ने आदेश दिया कि बोल्सोनारो को पुलिस मुख्यालय में रखा जाएगा।

पाकिस्तान ने किया मिसाइल का परीक्षण

कराची। पाकिस्तानी नौसेना ने एक स्वदेश विकसित पोत रोधी बैलिस्टिक मिसाइल का सफल परीक्षण किया है। यह मिसाइल को समुद्र और धरती, दोनों स्थानों पर लक्ष्य भेदने में सक्षम है। आईएसपीआर द्वारा जारी एक बयान के अनुसार इससे देश की रक्षा क्षमताएं बढ़ी हैं।

पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल वाहन लांच

हैदराबाद। कांउंटर-ड्रोन एवं एयर डिफेंस प्रौद्योगिकी कम्पनी इन्द्रजाल ड्रोन डिफेंस ने देश का पहला एंटी ड्रोन पेट्रोल व्हीकल (एडीपीवी) लॉन्च किया है जो सीमा पार से आने वाले ड्रोनों को मार गिराने में सक्षम होगा।

कनाडा में आग, भारतीयों सहित 5 मौतें

ओटावा। कनाडा के ओंटारियो प्रान्त के ब्रैम्पटन में भीषण आग लगने से 5 लोगों की मौत हो गई जिनमें भारतीय नागरिक भी शामिल हैं। टोरंटो स्थित भारतीय महा वाणिज्य दूतावास ने कहा कि उसने प्रभावित परिवार से सम्पर्क किया तथा उन्हें सभी आवश्यक सहायता प्रदान की जा रही है।

नन्दा लोकजात यात्रा का पंचांग जारी

12 जनवरी को नन्दानगर और कुरुड़ में होगी पूजा

ग्वालदम/गरुड़। सिद्धपीठ देवराड़ा मन्दिर में बधाण की नन्दा भगवती की उत्सव डोली अपने ननिहाल से मायके की यात्रा का पंचांग पुजारियों व मन्दिर समिति के सदस्यों ने जारी कर दिया है। नन्दा देवी राजराजेश्वरी सिद्धपीठ कुरुड़ लोकजात यात्रा का वापसी कार्यक्रम 25 दिसम्बर को देवराड़ा से सुनाऊं मल्ला होते हुए रात्रि विश्राम बज्वाड़ में होगा। 26 को बज्वाड़-माल-गवाड से रात्रि विश्राम मेल्ठा, 27 को मेल्ठा-देवल-किमनी, 28 को किमनी-ढालू-नैल, 29 को नैल-आदरा कुलसारी, 30 का कुलसारी-पास्तोली-सालपुर-नोडा में रात्रि विश्राम होगा। 31 दिसम्बर को नोडा-बज्वाड़-मेटा तल्ला, एक जनवरी को मेटा तल्ला-धारबारम-गैरबारम, दो जनवरी को गैरबारम-त्यूला बमणगांव, तीन को बमणगांव-हरमनी मल्ला-देवपुरी, चार को देवपुरी-निलाड़ी डांगतोली-नागौली, 5 जनवरी को नागोली गढ़कोट-मरोड़ा, 6 जनवरी को मरोड़ा-हंसकोटी, 7 जनवरी को हंसकोटी-पाली-विनायक-बैनोली में रात्रि विश्राम होगा। 8 जनवरी को बैनोली मींग-पैठाणी, 9 को पैठाणी-बनेला-सिमली, 10 को सिमली नाखौली-सणकोट,11को सणकोट-बांजबगड़-सैंता, 12 जनवरी को सैंती-सिद्धेश्वर महादेव नन्दानगर और सिद्धपीठ कुरुड़ में विराजमान होकर अगले 6 माह तक नन्दादेवी की पूजा यहीं पर होगी।

श्रद्धांजलि

हमेशा यादों में रहेंगे

श्रद्धांजलि

उत्तराखण्डी दिवाकर भट्ट

लम्बे समय से अस्वस्थ्य चल रहे यूकेडी के पूर्व केन्द्रीय अध्यक्ष और पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट (79) का 25 नवम्बर 2025 को हरिद्वार शिवलोक कालोनी अपने आवास पर निधन हो गया। उक्रांद के लड़ाका नेताओं में गिने जाने वाले दिवाकर पर्वतीय राज्य के आन्दोलन के लिये विस्फोट के रूप में थे और उन्होंने श्रीयन्त्र टापू और खैट पर्वत जैसी जगहों से आन्दोलन को धार देते हुए सरकार का ध्यान खींचा। राज्य बनने के बाद वह दल के मुखिया बनने और सरकार में मंत्री पद का स्वाद लेने के लिये भी चर्चा में रहे लेकिन उनकी स्मृतियां उत्तराखण्ड में धाकड़ नेता के रूप में याद की जाएगी।

कामरेड राजा बहुगुणा

जन संघर्षों के प्रखर नेता, भाकपा माले के मजबूत स्तम्भ और वर्तमान में पार्टी के केन्द्रीय कन्ट्रोल कमीशन के चेयरमैन कामरेड राजा बहुगुणा का 28 नवम्बर 2025 को दिल्ली के एक अस्पताल में निधन हो गया। वे लिवर कैंसर से पीड़ित थे। हमेशा तमाम जन संघर्षों की अगुआई करते हुए नए समाज ओर एक नई दुनिया बनाने के लिये अपने को समर्पित करने वाले राजा बहुगुणा अस्वस्थ्य होने के बावजूद शोषित-पीड़ित लोगों की आवाज उठाते रहे। जन संघर्षों के लिये उनकी सच्ची लड़ाई हमेशा सामना करने वाली थी, उन्होंने कभी भी शक्तिशाली लोगों से समझौता नहीं किया।

दमदार अभिनेता धर्मेन्द्र

सिनेमा के पर्दे पर बलशाली नायक की भूमिका के रूप में जन जन के चहेते ध मेंन्द्र देओल (89) का 24 नवम्बर 2025 को निधन हो गया। पिछले कुछ समय से अस्वस्थ्य चल रहे धर्मेन्द्र मुम्मई में ही थे। हिन्दी फिल्म जगत में अभिनेता, निर्माण और राजनेता के रूप में दमदार अदाकार रहे धर्मन्द्र को भारत के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्मभूषण से सम्मानित किया गया था। अपने 65 वर्ष के करियर में 300 से अधिक फिल्मों में काम करने वाले इस नायक की सादगी लोगों के मन- मस्तिष्क में हमेशा बना रहेगा। वह हमेशा ऊंचाई में रहने के बाद भी आमजन के थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सियासतदां

कण्डी मार्ग को खूब भुनाया, अब तक नहीं करा पाए निर्माण, सामरिक दृष्टि से है अहम

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड राज्य गठन के 25 साल बाद भी कण्डी मार्ग नहीं बन पाया, यह वही ऐतिहासिक सड़क है, जो लगभग 200 साल पुरानी है और जिसे लोग कभी सब-माउंटेन रोड के नाम से जानते थे। ये ब्रिटिश काल में बनाई गई कण्डी रोड का उपयोग यातायात के लिए किया जाता था। कण्डी का अर्थ कुछ लोग शिवालिक श्रेणी में पैदल चलने वाला मार्ग और कुछ लोग बैलगाड़ियों से लकड़ी की ढुलाई करने वाला मार्ग बताते हैं। इस ऐतिहासिक रोड के विस्तार के बारे में कुछ लोग इसे नेपाल सीमा टनकपुर से कोटद्वार-हरिद्वार से हिमाचल बताते हैं। जबकि कुछ लोगों का मामना है कि कण्डी मार्ग या पैदल चलने वाले मार्ग सभी पहाड़ी क्षेत्रों में होते थे। लेकिन हरिद्वार-कोटद्वार और कालागढ़ के बीच अभी भी यह पुराना मार्ग है।

भारत की आजादी के बाद तराई क्षेत्र में पक्की सड़कों का निर्माण होने लगा। इसके साथ ही जंगल का रास्ता होने के कारण सुरक्षा की दृष्टि से भी यह मार्ग बन्द होता गया। बाद में वन विभाग ने सुरक्षा की दृष्टि से इस मार्ग बन्द करवा दिया। ब्रिटिश काल में सब माउण्टेन रोड के नाम से जाने जानी वाली इस सड़क को ही आधार मानकर पर्वतीय और गैर पर्वतीय क्षेत्रों को बांटा गया था। इसी आधार पर ही सरकारी कर्मचारियों और अधिकारियों को भी पर्वतीय भत्ता दिया जाता था। बाद में वर्ष 2000 में उत्तराखण्ड पृथक राज्य बना और इसकी राजधानी देहरादून बनाई गई। इसके बाद गढ़वाल से कुमाऊँ जाने के लिए भी यूपी से होकर जाना पड़ा। जिससे टैक्स और अन्य दिक्कतों को देखते हुए कण्डी रोड खोलने की मांग शुरू हुई। कार्बेट पार्क बनने के बाद और वन अधिनियमों के चलते भी कण्डी रोड का पेंच फंसता गया। वर्तमान सरकारें भी कई बार इस रोड को बनाने के बारे में बोल चुकी हैं। लेकिन अभी कोटद्वार और हरिद्वार के बीच सड़क बन नहीं पाई। वहीं कोटद्वार और कालागढ़ के बीच छह माह जीएमओ की एक या दो बसें चलती थी, जो अभी नहीं चल पा रही हैं। कोटद्वार और कालागढ़ के बीच सड़क कच्ची है।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मार्ग को फिर से शुरू करने की उम्मीद

रामनगर। कण्डी मार्ग मामले में सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इस मार्ग को फिर से शुरू करने की उम्मीद जताई जा रही है। याचिकाकर्ता राज्य आन्दोलनकारी पी.सी.जोशी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि संयुक्त संघर्ष समिति और क्षेत्रवासी इस मार्ग को जल्द से जल्द शुरू करने के लिए प्रयासरत हैं।

श्री जोशी ने कहा कि कण्डी मार्ग हमारा परम्परागत मार्ग है लेकिन सरकारों की ओर से ठोस पैरवी नहीं होने के कारण यह मामला लटक रहा है।

जनसंघ काल के पुराने नेता दुगड्डा निवासी मोहन लाल बैठियाल ने बताया कि कण्डी रोड अंग्रेजों के जमाने में टनकपुर पूर्णागिरी नेपाल की सीमा से कुमाऊँ होते हुए कालागढ़-कोटद्वार और हरिद्वार से पांवटा साहिब होते हुए हिमाचल को जोड़ती थी। अस्सी के दशक में कोटद्वार से कण्डी रोड का निर्माण कार्य शुरू हुआ। जो पक्की सड़क बन रही थी। कोटद्वार से पाखरौ तक पक्की सड़क बन गई थी. सड़क में कई स्थानों पर ह्यूम पाइप डल चुके थे लेकिन अचानक वन कानून और वन्य जीव संरक्षण के नियम और लोगों की आपत्ति के कारण सड़क का कार्य रुक गया। आज भी कोटद्वार से पाखरौ तक ही पक्की सड़क है। इसके आगे वन क्षेत्र में कच्ची सड़क

है। अस्सी के दशक में सड़क निर्माण में जो पेड़ कटे थे उनके बदले में यूपी क्षेत्र में वनीकरण भी हो चुका है किन्तु उसके बाद से सड़क निर्माण का मामला आज तक लटका हुआ है। ऐतिहासिक ब्रिटिश कालीन सड़क न सिर्फ सड़क थी बल्कि व्यापार का मुख्य संसाधन, सीमाओं का विभाजन और संस्कृति और परम्पराओं को भी जोड़ती थी। 2017 में जो मैनीफेस्टो जनता के बीच जारी किया था, उसमें कण्डी मार्ग का निर्माण प्राथमिकता में बताया गया था. जबकि प्रदेश के वन मंत्री जिस कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र से आते हैं वो इससे सबसे अधिक प्रभावित होने वाला क्षेत्र है। कोटद्वार में सिगडडी में ग्रोथ सेन्टर है तो जशोधर पुर में दर्जनों स्टील फैक्टरियां हैं। इन फैक्टरियों के लिए कच्चा माल और फिर इनका उत्पाद दोनों के ही ट्रांसपोर्टेशन में कम्पनियों को यूपी में भी टैक्स देना होता है। अहम मार्ग कुमाऊँ और गढ़वाल मण्डलों को एक-दूसरे से जोड़ती है। इस मार्ग के बनने से कुमाऊँ और गढ़वाल की दूरी कम हो जाएगी।

अब सुप्रीम कोर्ट के नए आदेश ने मार्ग निर्माण की नई किरण जगाई है। ब्रह्मदेव मण्डी टनकपुर से कोटद्वार तक फैला कण्डी मार्ग कभी पहाड़ और मैदान की सीमा का मानक हुआ करता था। ब्रिटिश दौर में इसी सड़क के ऊपर तैनात कर्मचारियों को पर्वतीय भत्ता मिलता था, जबकि नीचे तैनात कर्मचारियों को नहीं। यानी यह मार्ग लम्बे समय से पहाड़ की पहचान से भी जुड़ा था। उत्तराखण्ड राज्य बनने से पहले ही इसे फिर से शुरू करने की मांग चल रही थी। राज्य बनने के बाद यह मांग और तेज हुई लेकिन कांग्रेस हो या बीजेपी, दोनों ने इसे सिर्फ चुनावी मंचों पर भुनाया। हकीकत यह रही कि कोई भी सरकार इस पर गम्भीरता से काम नहीं कर सकी, फाइलें आगे नहीं बढ़ी और कण्डी मार्ग आज भी कागजों में ही कैद है। कार्बेट क्षेत्र में आता है 43 किलोमीटर का हिस्सा जो कुमा ँ और गढ़वाल को जोड़ने वाला यह मार्ग रामनगर से कोटद्वार तक जाता है। पहले यहाँ बस सेवा भी चलती थी, लेकिन सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद वह भी बन्द हो गई। कुल मार्ग में से 43 किलोमीटर हिस्सा कार्बेट टाइगर रिजर्व के अन्दर आता है। साल 1999 में केन्द्र सरकार ने आम लोगों के लिए इस मार्ग को खोले जाने की अनुमति दी थी। राज्य बनने के बाद उत्तराखण्ड सरकार ने इसे ऑल वेदर रोड के रूप में विकसित करने का प्रस्ताव केन्द्र को भेजा लेकिन जैसे ही इसकी जानकारी एनजीओ तक पहुँची, उन्होंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर दी। दलील थी कि सड़क बनने से बाघों और अन्य वन्यजीवों पर खतरा बढ़ेगा। वनीकरण, वन्य जीव संरक्षण और विकास इन तीनों के बीच फंसा कण्डी मार्ग अदालतों में अटक गया परन्तु सबसे बड़ा अफसोस यह रहा कि सरकारें अदालत में कोई ठोस पैरवी ही नहीं कर सकीं। यही वजह है कि मामला लम्बे समय से लटका हुआ है। समय-समय पर कई नेता इसे शुरू करने की पहल करते रहे, पूर्व मुख्यमंत्री नारायण दत्त तिवारी, साल 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री, पूर्व सांसद राज्यसभा सांसद 2017 में तत्कालीन वन मंत्री कई बार सर्वे हुए, प्रस्ताव बने, लेकिन सभी कोशिशें कागजों की धूल में खो गईं। चुनावी मुद्दा बनने के अलावा किसी भी सरकार ने इसे असल में प्राथमिकता नहीं दी। यह सड़क सिर्फ लोगों की यात्रा को आसान नहीं बनाती, बल्कि देश की सुरक्षा के लिहाज से भी बेहद अहम मानी जाती है। गढ़वाल में लैंसडाउन स्थित गढ़वाल रेजिमेंट सेंटर और कुमाऊँ के रानीखेत में कुमाऊँ रेजीमेंट मुख्यालय दोनों को जोड़ने के लिए यह सबसे सीधा और तेज मार्ग है। अगर यह सड़क बन जाती है तो आवाजाही आसान हो जाएगी। क्योंकि यह सड़क न बनने से रामनगर से कोटद्वार जाने के लिए उत्तर प्रदेश के नजीबाबाद होकर जाना पड़ता है। जिससे 165 किलोमीटर की अतिरिक्त दूरी तय करनी पड़ती है, जबकि इस मार्ग के बन जाने से यह दूरी महज 88 किलोमीटर की रह जाएगी। इस मार्ग से देहरादून भी कम समय में पहुँचा जा सकेगा। रामनगर-कोटद्वार के बीच व्यापार और पर्यटन भी बढ़ेगा। साथ ही कुमाऊं और गढ़वाल की सांस्कृतिक सभ्यता का भी आदान-प्रदान हो सकेगा।

भजन भगवान राम से विनती

(1)
विनती केहि विधि प्रभुहि सुनाऊं।
महाराज रघुबीर धरी को, समय ना कबहुं पाऊं।
जाम रहति जामिनी के बीतें, तिही अवसर उठि धाऊं।
सकुच होत सुकुमार नींद तें, कैसे प्रभुहि जगाऊं।
दिनकर किरण उदित ब्रह्मादिक, रूद्रादिक इक पाऊं।
अगनित भीर अमर मुनि गन की, तिही ते ठौर ना पाऊं।
उठत सभा दिन मध्य सियापति, देखि भीर पुनि आऊं।
न्हात खात सुख करत साहिबी, कैसे करि अनखाऊं।
रजनी मुख आवत गुन गावत, नारद तुंबरू नाऊं।
तुम ही कहौ, कृपण हो रघुपति, किही विधि दुख समझाऊं।
एक उपाय करौ कमलापति, कहौ तो कहि समझाऊं।
पति उधारण 'सूर' नाम प्रभु लिखी कागद पहुंचाऊं।।
(2)
तू दयाल, दीन हौं, तू दानी हौं भिखारी।
हौं प्रसिद्ध पातकी, तू पाप पुंज हारी।।
नाथ तू अनाथ को, अनाथ कौन मोसो।
मो समान आरत नाही, आरती हर तोसो।।
ब्रह्म तू, जीव हौं, तू ठाकुर हौं चेरो।
तात मात गुरु सखा, तू सब विधि ही मेरो।।
तोही मोहि नाते अनेक, मानिए जो भावे।
ज्यों त्यों तुलसी कृपालु, चरण शरण पावे।।

-नन्दा बल्लभ पाण्डे
ज्योलीकोट, नैनीताल

बाल कविता बन्दर आ गये

देख माँ! आ गये बन्दर
आँगन देहरी घर की छत पर
लौट आए फिर ये मर्कट-वानर
भगाया था जिन्हें, हमने कल मिलकर
नोच रहे तोड़ रहे फल ये सारे
उखाड़ रहे भाजी गाजर प्यारे
खा रहे कुछ फैंक रहे टुकड़े-टुकड़े
गाल भर-भर फिर हैं चिढ़ा रहे
तोड़ी है जाली पॉलीहाउसस फाड़ा
उत्पात मचा-मचा कर उखाड़ा बाड़ा
हिला रहे नल टंकी ढक्कन छत में
झाँक रहे खिड़कियों से ये घर में
पापा कह रहे बच्चो इन से बच्चो
ट्रकों में भर कर छोड़ा है बाहर से इनको
इन कटखने कपियों से जान बचाना मुश्किल है
कैसे मुक्ति मिलेगी इनसे? कहना कठिन है।

-दीवान सिंह कठायत
प्राध्यापक, राआप्रावि, उडियारी

ज्योतिष की बातें- 258

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिक्त अन्य कोई भी ग्रह राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य व मंगल मित्रराशि वृश्चिक व धनु में, बुध शुक्र व शनि समराशि वृश्चिक व मीन में क्रमशः गुरु शत्रुराशि मिथुन में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह कर्क, सिंह व कन्या राशि में गोचर करेगा।

12 दिसम्बर 2025 को शुक्र वृश्चिक राशि में पूर्व दिशा में अस्त हो जाएगा अतः शुक्र से प्राप्त होने वाले शुभाशुभ फल अगले 50 दिन अब अत्यल्प मात्रा में ही प्राप्त होंगे। शुक्र के अस्त होने पर गृह प्रवेश आदि शुभकार्य तथा विवाह आदि मंगल कार्य स्थगित रहेंगे।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 148

स्वास्थ्य के सामान्य सूत्र

आजकल प्रदूषण और खाद्य पदार्थों में मिलावट के कारण प्रायः हर व्यक्ति किसी न किसी रोग से ग्रसित है। ऐसी स्थिति में जो लोग स्वस्थ भी हैं उनको भी अपने को स्वस्थ बनाए रखने के लिए चिन्ता होती है इसी उद्देश्य से एक स्वस्थ व्यक्ति के सदैव स्वस्थ बने रहने के लिए बहुत से सिद्धान्त स्वस्थवृत्त के अन्तर्गत पाए जाते हैं। उनमें से कुछ इस प्रकार हैं-

1. भोजन करन के बाद जो सौ कदम पैदल चलता है और बाईं करवट सोता है वह स्वस्थ रहता है।
2. जो व्यक्ति दिनचर्या और ऋतुचर्या का पालन करता है वह सदैव स्वस्थ रहता है।
3. ऊषापान करने वाला 'शतं वर्षाणि जीवति' अर्थात सौ वर्ष तक जीवित रहता है।
4. त्रिफला चूर्ण का सेवन करने वाला सदैव स्वस्थ रहता है।
5. हरीतिकी अर्थात् हरड़ का सेवन करने वाला सदैव स्वस्थ रहता है।
6. आंवले के चूर्ण का सेवन करने वाला सदैव स्वस्थ रहता है।
7. भूख लगने पर ही भोजन करने वाला व खुराक से कुछ कम खाने वाला स्वस्थ रहता है।
8. पेट के चार भाग करें, उसमें दो भाग भोजन से भरे, एक भाग पानी से और एक भाग हवा आने जाने के लिए छोड़ दें।
10. सदैव स्वस्थ रहने के लिए कुछ औषधियाँ (रसायन) भी बताई गई हैं। जैसे (क)च्यवनप्राश, (ख) द्राक्षासव, (ग) कुमार्यासव, (घ) अश्वगन्धारिष्ट, (ड.) चन्द्रप्रभा बटी आदि जो अपने चिकित्सक से परामर्श से ही सेवन किया जाना चाहिए।

-ओंकार नाथ कोष्टा

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

खनन के लिए मशीन लगाने का विराध

पिथौरागढ़। देवलथल क्षेत्र के हराली में ग्रामीणों ने बिना अनुमति के पोकलेन मशीन से खड़िया खनन करने का आरोप लगाते हुए इसे रोकने की मांग की है। त्रिलोक सिंह, भगवान सिंह, रमेश सिंह, कृष्ण सिंह ने का कहना है कि उनके गाँव में बिना अनुमति के मशीन से खड़िया खनन किया जा रहा है, इससे उनके घरों को खतरा पैदा हो गया है। ग्रामीणों ने कहा कि यदि रोक नहीं लगी तो आन्दोलन किया जायेगा।

गंगोलीहाट से दून के लिये बस चले

गंगोलीहाट। कांग्रेस अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मनोट टम्टा के नेतृत्व में पंचायत प्रतिनिधियों ने उप जिलाधिकारी के माध्यम से परिवहन मंत्री को ज्ञापन भेजते हुए मांग की है कि गंगोलीहाट से देहरादून के लिये सीधी बस सेवा संचालित करवाई जाए। कहा कि राज्य बनने के 25 साल बाद भी सबसे बड़े विकासखण्ड से रोडवेज की सीधी बस सेवा संचालित नहीं हो सकी है।

अमोड़ा व बनबसा सड़क सुधार कार्य

टनकपुर। लोनिवि के अधिशासी अभियन्ता एम.सी.पलड़िया ने बताया है कि ग्राम पंचायत पल्सो कलजाख से अमोड़ा तक मोटर मार्ग (द्वितीय चरण-स्टेज-1) का निर्माण कार्य, जिसकी कुल लम्बाई 5 किमी है के लिये 1.69 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इसी प्रकार बनबसा के आन्तरिक सड़कों के सुधार हेतु 3.93 करोड़ की प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति जारी की गई है।

चीनी मिल ठप होने से भड़के किसान

बाजपुर। चीनी मिल में उत्पादन ठप रहने से किसानों ने गुस्सा जताया। नाराज किसानों ने प्रधान प्रबन्धक का घेराव कर समस्या के समाधान की मांग की। इस बार नवीन पेराई सत्र शुरू होने के बाद से ही मिल सुचारू रूप से नहीं चल पा रही है। ऐसे में किसानों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आरोप लगाया कि तकनीकी खामियों को दूर करने में फैक्ट्री प्रशासन पूरी तरह विफल रहा है। जीएम ने किसानों को भरोसा दिलाया है कि जल्द ही वैकल्पिक व्यवस्था कर मिल संचालन को सुचारू किया जाएगा।

पं.राम सुमेर शुक्ल की 110वीं जयन्ती

रुद्रपुर। स्वतंत्रता सेनानी स्व. पं.राम सुमेर शुक्ल की 110वीं जयन्ती पर शहर के मुख्य चौराहे स्थित उनकी प्रतिमा पर मेयर विकास शर्मा, दर्जा मंत्री उत्तम दत्ता, पूर्व विधायक राजेश शुक्ला ने पुष्पांजलि अर्पित की। इस मौके पर मेयर ने शुक्ल स्मृति पार्क के सौन्दर्यीकरण एवं शहर में उनकी स्मृति में भव्य स्वागत द्वार बनाने की घोष्णा की। इस अवसर पर पूर्व मेयर रामपाल सिंह भी मौजूद थे।

विधायक धामी का सरकार पर निशाना, भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच हो

धारचूला-मुनस्यारी विधानसभा क्षेत्र के विधायक हरीश धामी ने सरकार पर निशाना साधते हुए उनके विधानसभा क्षेत्र में हुए भ्रष्टाचार की सीबीआई जाँच की मांग की है। इस बार जौलजीवी मेले में खुली चुनौती दे चुके विधायक ने फिर से अपनी बातों को दोहराते हुए कहा कि उनकी विधानसभा में भ्रष्टाचार का खुला खेल खेला गया है। भ्रष्टाचार मुक्त प्रदेश की बात करने वाली भाजपा सरकार के कार्यकर्ता इस खेल में शामिल हैं, जो खुद बचने के लिए उन पर झूठे आरोप लगाने लगे हैं।

विधायक धामी ने कहा है कि यदि सरकार अपनी बातों को सच साबित करना चाहती है तो वर्ष 2012 से 2025 तक हुए विकास कार्यों की जाँच होनी चाहिए ताकि सच सबके सामने आ सके। श्री धामी कहते हैं कि सरकार पर भरोसा नहीं है। ऐसे में इन विकास कार्यों की सीबीआई जाँच होनी चाहिए।

जिला मुख्यालय में पत्रकार वार्ता की अब तक के कार्यकाल का सच बताया जाए

जिला मुख्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए 34 कार्यों की सूची जारी की और कहा कि इसकी सीबीआई जाँच जरूरी है। उन्होंने वर्ष 2012 से अब तक के उनके कार्यकाल में हुए विधायक निधि के कार्यों की भी जाँच की मांग करते हुए सरकार को घेरा। श्री धामी ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनकी विधानसभा में करोड़ों की योजनाओं की स्वीकृति दी लेकिन इन योजनाओं में खुला भ्रष्टाचार हुआ है। खुद भाजपा कार्यकर्ता इसमें शामिल हैं।

उन्होंने कहा कि उनकी मांग पर एसडीएम की अध्यक्षता में जाँच कमेटी बनाई गई थी। सम्बन्धित एसडीएम ने भ्रष्टाचार के इस खेल पर पर्दा उठाने की कोशिश की तो उन्हें रिपोर्ट सार्वजनिक करने से पहले ही हटा दिया गया। कहा कि मामलों में पर्दा डालने के लिये भाजपा कार्यकर्ता उन पर विधायक निधि के दुरुपयोग का आरोप लगा रहे हैं। इस मामले की भी जाँच होनी चाहिये लेकिन सरकार ऐसा नहीं करना चाहती। यदि भ्रष्टाचार मुक्त की बात करने वाली सरकार अपनी बातों को सच साबित करना चाहती है तो उनकी विधायक निधि से हुए कार्यों की सीबीआई जाँच के आदेश जारी होने चाहिए।

विधायक हरीश धामी ने कहा कि अब वह चुप नहीं बैठेंगे। क्षेत्र में हुए विकास कार्यों की सूची जनता के बीच लेकर जाएंगे। जनता ही इस बात का जवाब देगी कि उनके क्षेत्र में सम्बन्धित विकास कार्य हुए हैं या भाजपा कार्यकर्ता ने बेखौफ भ्रष्टाचार किया है।

पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किया जायेगा कोसी बैराज, डीएम का दौरा

अल्मोड़ा। जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कोसी बैराज का निरीक्षण करते हुए कहा कि यहाँ इको-टूरिज्म, वाटर एक्टिविटीज, पिकनिक स्पॉट विकास, ट्रैकिंग ट्रेल्स, व्यू प्वाइंट और स्थानीय उत्पादों के विपणन जैसे कई सम्भावित क्षेत्रों को विकसित किया जा सकता है।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने राम प्रसाद टम्टा कोसी बैराज क्षेत्र में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने की सम्भावनाओं का बारीकी से मूल्यांकन किया। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्यटन विकास से जुड़े बुनियादी ढांचे का सर्वे तैयार किया जाए। इसके अलावा उन्होंने मुख्य मार्ग से बैराज तक आकर्षक रंग वाले फूलों के पेड़ लगाने, पूरे मार्ग पर हेरिटेज पोल और द्वार बनाए जाने समेत सोलर लाइट लगाने के निर्देश सम्बन्धित को दिए। कहा कि पूरे बैराज क्षेत्र की भूमि का सीमांकन भी किया जाए। जिससे पर्यटन गतिविधियों को लेकर विस्तृत प्लान तैयार किया जा सके।

उन्होंने बैराज में बोटिंग, जिपलाइन पर्यटन, कैफे ऐरिया, पार्क और कैंटीन के संचालन के लिये विस्तृत कार्य योजना बनाने के निर्देश दिए। मौके पर उप निदेशक पर्यटन मौजूद थे।

मेडिकल कॉलेज को 13 पीजी कार्य मंजूर

अल्मोड़ा। नेशनल मेडिकल कार्डसिल (एनएमसी) ने अल्मोड़ा मेडिकल कालेज को 13 नये पीजी कोर्स शुरू करने की अनुमति प्रदान की है। मेडिकल असेसमेंट एण्ड रेटिंग बोर्ड द्वारा जारी लेटर ऑफ परमिशन के अनुसार कालेज को 33 नई सीटों की स्वीकृति मिली है, जो आगामी सत्र से प्रभावी होगी।

एनएमसी की टीम ने कालेज का भौतिक निरीक्षण, फैकल्टी उपलब्धता, अस्पताल सुविधाएं, क्लीनिकल सामग्री और उपकरणों की जांच की। मूल्यांकन प्रक्रिया में कालेज सभी मानकों पर सन्तोषजनक पाया गया। इसके बाद एसएआरबी ने मंजूरी जारी की।

नदियों पर अवैध खनन पर चिंता जताई

बागेश्वर। कांग्रेस के पूर्व जिलाध्यक्ष भगवत सिंह डसीला ने सरयू व गोमती नदी में हो रहे अवैध खनन पर चिन्ता जताते हुए इसके लिए सरकार व प्रशासन को जिम्मेदार बताया है। उन्होंने गिरेछीना मोटर मार्ग से नदीगांव तक बन रहे मोटर मार्ग का निर्माण पूर्व सर्वे के आधार पर कराने व पालिका के रैन बसेरे को ध्वस्त होने से बचाने की मांग की है।

सरयू नदी समेत गोमती नदी में हो रहे खनन पर डसीला ने नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि गोमती नदी के किनारे जो कार्य किया जा रहा है उसमें ठेकेदार द्वारा गेट लगाकर नदी को छलनी किया जा रहा है, जिससे खतरा है।

जौलजीवी मेला सम्पन्न, दुकानें सिमटी

जौलजीवी। गोरी-काली नदियों के संगम पर लगने वाला ऐतिहासिक ऐतिहासिक सांस्कृतिक मेला इस बार भी धूमधाम के साथ सम्पन्न हो चुका है। 26 नवम्बर तक सांस्कृतिक मंच पर थिरकन में लगातार नृत्यगीतों की बहार रही और 30 नवम्बर तक मेले में दुकानों का आकर्षण रहा। अब जबकि कड़क ठण्ड के बीच मेला पूरी तरह सम्पन्न हो चुका है, रही-बची दुकानें सिमट रही हैं।

मेले में 2026 के कलैण्डर का विमोचन भी किया गया। स्थानीय कलाकारों सहित मंच में सुरेश प्रसाद, हरीश भट्ट, कुलदीप भट्ट, इब्सल संजयाल, सुरेश साही, कमलजीत ढकरियाल सहित कई लोगों ने प्रस्तुति दी। मौके पर विधायक हरीश धामी, नगर पालिका धारचूला अध्यक्ष शशि थापा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष धारचूला भूपेन्द्र थापा, व्यापार मण्डल अध्यक्ष जौलजीवी धीरेन्द्र सिंह धर्मशक्तू, समाजसेवी शकुन्तला दताल, मेलाधिकारी उप जिलाधिकारी जितेन्द्र वर्मा, खण्ड शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार अटवाल, शंकर दत्त भट्ट, करन थापा, ए.आर. दताल, किशन नबियाल, पुष्कर सिंह, भीम सिंह बंगवाल सहित तमाम लोग उपस्थित थे।

शीतकालीन चारधाम यात्रा की तैयारी जारी

देहरादून। बदरीनाथ केदारनाथ मन्दिर समिति शीतकालीन चारधाम यात्रा की तैयारी में जुट चुकी है। समिति के अध्यक्ष हेमन्त द्विवेदी ने समय रहते सभी तैयारी पूरी करने के निर्देश दिये हैं। केदारनाथ धाम के कपाट बन्द होने के बाद अब 6 महीने तक भगवान बदरीविशाल की शीतकालीन प्रतीकात्मक पूजा योगबदरी पाण्डुकेश्वर, श्री नृसिंह मन्दिर ज्योतिर्मठ में होगी।

होकरा में 11 साल बाद खुदा पूजा

थल। तल्ला जोहार के होकरा गांव में 11 साल बाद खुदा पूजा का आयोजन किया गया। पं.खष्टी बल्लभ द्विवेदी ने शुभ मुहूर्त में धूनी में अग्नि प्रज्ज्वलित कर इसकी शुरुआत की। प्रधान धामी देव राम ने धूनी पूजन किया। इस 6 दिवसीय उत्सव में होकरा व आसपास के ग्रामीण जुटे। बताते चलें कि मुगल काल में पूजा की इस परम्परा को बनाये रखने के लिये रात्रि में पूजा की जाने लगी और इसे खुदा पूजा कहा गया।

परिक्रमा

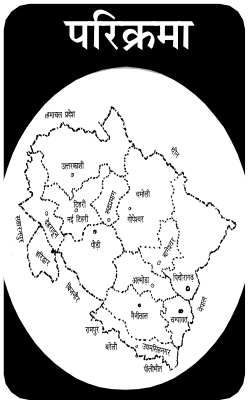

हरिद्वार कुम्भ की तिथियां घोषित

हरिद्वार। वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले कुम्भ की तिथियां घोषित हो चुकी हैं। सीएम पुष्कर सिंह धामी 13 अखाड़ों के आचार्यों एवं सन्तों के साथ बैठक कर सुझाव व मार्गदर्शन प्राप्त किया। बैठक में कुम्भ अमृत स्नान सहित महत्व पूर्ण तिथियां घोषित की गई। 4 जनवरी 2027 को मकर संक्रान्ति से कुम्भ स्नान शुरू होगा। पहला शाही स्नान 6 मार्च को महाशिवरात्रि पर अन्तिम 20 अप्रैल चैत्र पूर्णिमा को होगा।

मौसम पूर्वानुमान रडार स्थापति होंगे

देहरादून। केन्द्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री डॉ. जितेन्द्र घोषणा की कि हरिद्वार, पन्तनगर और औली में अत्याधुनिक मौसम पूर्वानुमान रडार स्थापित किए जाएंगे, जो राज्य में मौसम सम्बन्धी चेतावनी तन्त्र को और अधिक मजबूत बनाएंगे। वह देहरादून स्थित ग्राफिक एरा सिल्वर जुबली कन्वेंशन सेन्टर में आयोजित विश्व आपदा प्रबन्धन सम्मेलन में बोल रहे थे। इसका उद्घाटन सीएम पुष्कर धामी ने किया।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

ऑपरेशन 'भल छौ' के तहत कुशलक्षेम

चौखुटिया। वरिष्ठ नागरिकों और अकेले रह रहे बुजुर्गों की सुरक्षा और सहयोग सुनिश्चित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे ऑपरेशन भल छौ अभियान के तहत पुलिस ने क्षेत्र के बुजुर्ग नागरिकों के घर जाकर उनकी कुशलक्षेम पूछी और हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया। एसएसपी अल्मोड़ा देवेन्द्र पींचा ने सभी थाना और चौकी प्रभारियों को निर्देश जारी किए हैं कि अपने-अपने क्षेत्र में रहने वाले बुजुर्गों का विवरण थाने के रजिस्टर में सुरक्षित रखा जाए।

पाले और कोहरे ने बढ़ाई दिक्कत

उच्चहिमालय में बर्फ जमा और तापमान गिरा, पर्यटक स्थल कोहरे से घिरे, जागेश्वर सहित जगह-जगह खेतों में पाले की चादर, यातायात की गति धीमी

पि.हि. प्रतिनिधि

पौष मास की ठण्ड से आफत मचने लगी है। पाले और कोहरे से जन-जीवन प्रभावित होने लगा है और आने वाले दिनों में ठण्ड तीव्र होगी। घाटी वाले इलाकों में कोहरा छाने से ठिठुरन ज्यादा है। उच्च हिमालय क्षेत्र में ठण्ड से बर्फ जम चुकी है और माइनस 10 डिग्री तक तापमान हो चुका है। एसडीएम धारचूला ने बताया है कि अब इनर लाइन पास बन्द कर दिए जाएंगे। अब तक 36461 पर्यटक आदि कैलास दर्शन के लिए पहुंच चुके हैं। कुटी के प्रधान नरेन्द्र सिंह कुटियाल बताते है। कि तापमान रात्रि में माइनस 5 डिग्री तक पहुंच रहा है। आदि कैलास स्थित शिव-पार्वती मन्दिर के कपाट 5 नवम्बर को बन्द हो चुके थे। रांगकांग के प्रधान नरेन्द्र सिंह रौंकली बताते है। कि अधिक ठण्ठ से गौरी कुण्ड का पानी पूरी तरह जम चुका है।

मुनस्यारी, बेरीनाग, गंगोलीहाट, कनालीछीना में खूब पाला गिर रहा है। जौलजीबी, बगड़ीहाट, तीतरी, थल, चौकोड़ी में सुबह के समय घना कोहरा छाने से लोग परेशान हैं। दन्या, जागेश्वर, बाड़ेछीना के खेतों में पाले की चादर सी बिछ चुकी है।

पाले से सब्जी की पौध को भी नुकसान हुआ है। डीडीहाट, अस्कोट, पीपली से सूचना मिली है कि गोभी, लहसुन, धनिया सहित अन्य सब्जियों की पौध झुलसने लगी है। किसान चिन्तित हैं कि यदि बारिश नहीं होने से नमी कम हुई तो और भी नुकसान होगा।

चम्पावत-लोहाघाट में कड़क ठण्ड की मार के बीच पाले वाले स्थानों पर हाल खराब है। तल्लादेश की मंच-तामली सड़क पर पाले की चादर वाहन चालकों के लिए खतरनाक बन रही है। 19 नम्बर बैंड कठनौली के पास वाहनों को फिसलने का सबसे ज्यादा खतरा है। छमनिया क्षेत्र में पाले की परत जमने से खतरा बना हुआ है। कृषि विज्ञान केन्द्र की विज्ञानी डॉ.रजनी पन्त ने किसानों को सलाह दी है कि सब्जियों को पाले से बचाने के लिए सिंचाई करनी चाहिए। कोहरे वाले क्षेत्रों में आसपास धुआं करने से कोहरे को छंटने में मद मिलेगी। फलदार पौधों को कपड़े की मेड़ लगातार शीत हवा से बचाया जा सकता है।

एक असाधारण.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

कलि-द्वापर-त्रेता-कृत इन चार युगों में बाँट देने का वैज्ञानिक और तर्कसम्मत प्रयास हुआ होगा। इसलिए आश्चर्य नहीं कि हमारे ग्रन्थों में कहीं कहीं कलियुग को बारह सौ साल का माना गया है जो महाभारत के बारह सौ साल बाद खत्म हो चुका स्वीकार किया गया है।

खैर, यह तो तर्क की बात है जिसे जरूरी नहीं कि हर कोई मान ले। लेकिन परम्परा ने कलि का सम्बन्ध पतन से जोड़ रखा है और परीक्षित के इस घटिया काम को कलि के प्रारम्भ का प्रतीक मान रखा है, तो जाहिर है कि हम लोगों ने परीक्षित के उस काम को घोर अमर्यादित ही माना है। शमीक ऋषि के गले में मरा साँप डाल कर परीक्षित तो महल वापस लौट गए, पर शमीक के पुत्र शृंगी ऋषि लौटे और उन्होंने मरे साँप को ध्यानालीन पिता के गले में पड़ा देखा तो गुस्से में आग बबूला होकर उन्होंने शाप दे दिया कि जिस किसी ने मेरे पिता के गले में मरा साँप डाला है आज से सावतें दिन लक्षक उसी को डस कर मार देगा।

राजा तक शाप की खबर पहुँची। अब क्या हो। शाप को पूरा होना ही है। परीक्षित डर के मारे पीले पड़ गए। तत्काल एक ऐसी ऊँची मंजिल में जा बैठे जहाँ साँप के आ सकने के सारे मार्ग बन्द करवा दिए गए। पर उन्हें भरोसा नहीं था कि वे बच जाएँगे। तभी उधर व्यासपुत्र शुकदेव का आना हुआ। उन्हें सारी बात पता पड़ी। राजा काल के बस में है, यह सोचकर शुकदेव ने परीक्षित को कृष्णलीला सुनाने का संकल्प किया। उपदेश देकर, विभिन्न कथाएँ सुनाकर राजा को मृत्यु के भय से मुक्त किया और वैराग्य युक्त किया। फिर उन्होंने परीक्षित को कृष्ण के जन्म से लेकर पूरी कथा पूरे विस्तार से सुनाई। सात दिनों तक यह क्रम चलता रहा। शुकदेव वक्ता, परीक्षित और दूसरे मन्त्री अधिकारी जैसे श्रोता। उनके बीच सात दिनों तक कृष्णकथा का सतत प्रवाह चलता रहा। कथा सभी ने सुनी पर मोक्ष सिर्फ परीक्षित का हुआ क्योंकि वैराग्य सिर्फ उन्हीं को हुआ था। सातवें दिन फल के अन्दर छिपकर तक्षक नाग राजा के पास पहुँचा और उन्हें डंक मार प्राणहीन कर दिया। पर सप्ताह भर भागवतकथा का परायण कर परीक्षित पहले ही जीवनमुक्त हो चुके थे। आगे चलकर यही कथा भागवतपुराण के रूप में वैसे ही लिपिबद्ध कर दी गई जैसे महाभारत युद्ध की रणभूमि में हुए कृष्ण अर्जुन सम्वाद को भगवद्गीता के रूप में लिपि बद्ध कर दिया गया। परीक्षित खुद कोई बड़े सम्राट नहीं थे। पर जिस वातावरण में उन्हें कृष्णकथा सुनने का सुअवसर मिला उसके कारण वे इतिहास में स्वयं तो अक्षय स्थान बना ही गए देश को एक अभूतपूर्व परम्परा भी दे गए- भागवत के सप्ताह परायण की परम्परा। यह परम्परा हमारी विरासत का ऐसा अंग बनी है कि हर भारतवासी चाहता है कि मरने से पहले उसे भागवत कथा वैसे ही सुनाई जाए जैसे उसकी इच्छा होती है कि उसके मुंह में गंगा का जल जरूर डाल दिया जाए।

(साभार नवभारत टाइम्स)

टिंकर-छांगरु के ग्रामीणों का प्रवास

धारचूला। नेपाल की चीन सीमा से लगे टिंकर व छांगरु के ग्रामीणों का प्रवास शुरु हो चुका है। भारत के रास्ते यह परिवर माइग्रेशन करते हैं। तापमान में गिरावट के चलते व्यास घाटी स्थित गर्ब्यांग सीतापुल से इनका आवागमन होता है। साल में दो बार यह परिवार माइग्रेशन करते हैं। इन दिनों में धारचूला बाजार से नेपाल में प्रवेश का दौर है, इसमें करीब सौ परिवार शामिल हैं।

चुनाव आयोग का गहन पुनरीक्षण वोटर लिस्ट में नाम जोड़ने के लिये फॉर्म भर सकते हैं

देहरादून। उत्तराखण्ड में चुनाव आयोग का विशेष गहन पुनरीक्षण शुरू होने से पहले अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाया जा सकता है। नाम हटवाना या पता ठीक करवाना जैसे कार्य भी आवेदन में होंगे। जिन मतदाताओं के नाम वोटर लिस्ट में दो जगह है, वह तत्काल एक जगह से अपना नाम हटवा लें। दो जगह नाम होने पर चुनाव आयोग के नोटिस का सामना करना पड़ सकता है। प्रदेश में यह प्रक्रिया गतिमान है। एक बार एसआईआर की घोषणा होने के बाद प्रक्रिया रुक जाएगी। केवल आवेदन होंगे, जिनका निस्तारण एसआईआर पूरा होने के बाद ही हो पाएगा। नया वोट बनवाने के लिए चुनाव आयोग की वेबसाइट voters.eci.gov.in पर ऑनलाइन फॉर्म-6भरने की सुविधा उपलब्ध है। अपने दस्तावेज को अपलोड करके नया वोट बनवाने के लिए आवेदन किया जा सकता है। दो जगह पर वोट होने से एक जगह से डिलीट कराने के लिए इसी वेबसाइट पर फॉर्म-7 का लिंक दिया गया है। अपने वोट में नाम पता आदि यदि सुधार करना है तो वेबसाइट पर फॉर्म-8 भर सकते हैं। इन सभी लिंक में चुनाव आयोग की गाइडलाइंस भी दी हुई है। इसके लिये मोबाइन नम्बर और अपना आधार कार्ड होना चाहिये।

बताया गया है कि एसआईआर शुरू होने के बाद केवल आवेदन होगा, वोट नहीं बन सकेगा। इसलिये यह अवसर है जो लोग अपना वोट अभी बनवा लेंगे वह एसआईआर में शामिल हो सकेंगे। प्रदेश में निर्वाचन विभाग ने नया वोट बनवाने का अभी तक अवसर दिया हुआ है।

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल
लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क
7351285555

जंगपांगी जनरल स्टोर
मदकोट रोड,
दरांती मनुस्यारी
(सीमेन्ट, पेण्ट, हार्डवेयर सामग्री के लिये सुलभ स्थान)
मो.- 9760342346

होटल
माँ नन्दादेवी
एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
मो.न.
8958525979,
9411134775
फोन सम्पर्क-
05961-222236
गणेश सिंह मर्तोलिया
एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग
मैटीरियल, जनरल आर्डर
सप्लायर्स

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयन्ती वर्ष पर शुभकामनाएं

कुन्दन सिंह पांगती

क्लास-ए ठेकेदार

ज्वार-मुन्स्यार

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयन्ती वर्ष पर शुभकामनाएं

भीम सिंह विशनसिंह बिष्ट

वस्त्र विक्रेता

भराड़ी

पो० भराड़ी

(बागेश्वर)

न तेरा न मेरा Thats

APNA GHAR चौकोड़ी

HOTEL RESTRO BANQUET

मो.- 9458920379, 6396098804

YOGA MEDITATION | LIVE MUSIC | HOMELY FOOD | BIRTHDAY WEDDING

Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)

पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया

उत्तराखण्ड राज्य स्थापना के रजत जयन्ती वर्ष पर शुभकामनाएं

रमन सिंह पांगती

(स्व.नारायण सिंह पांगती)

पुराना बाजार

थल

Hotel Bala Paradise

Tiksain, Munsiari

Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे

धरमघर/चकोड़ी

(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)

मो. 9760007148

www.mountainheights.in

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,

editorpighaltahimalay@gmail.com

Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)